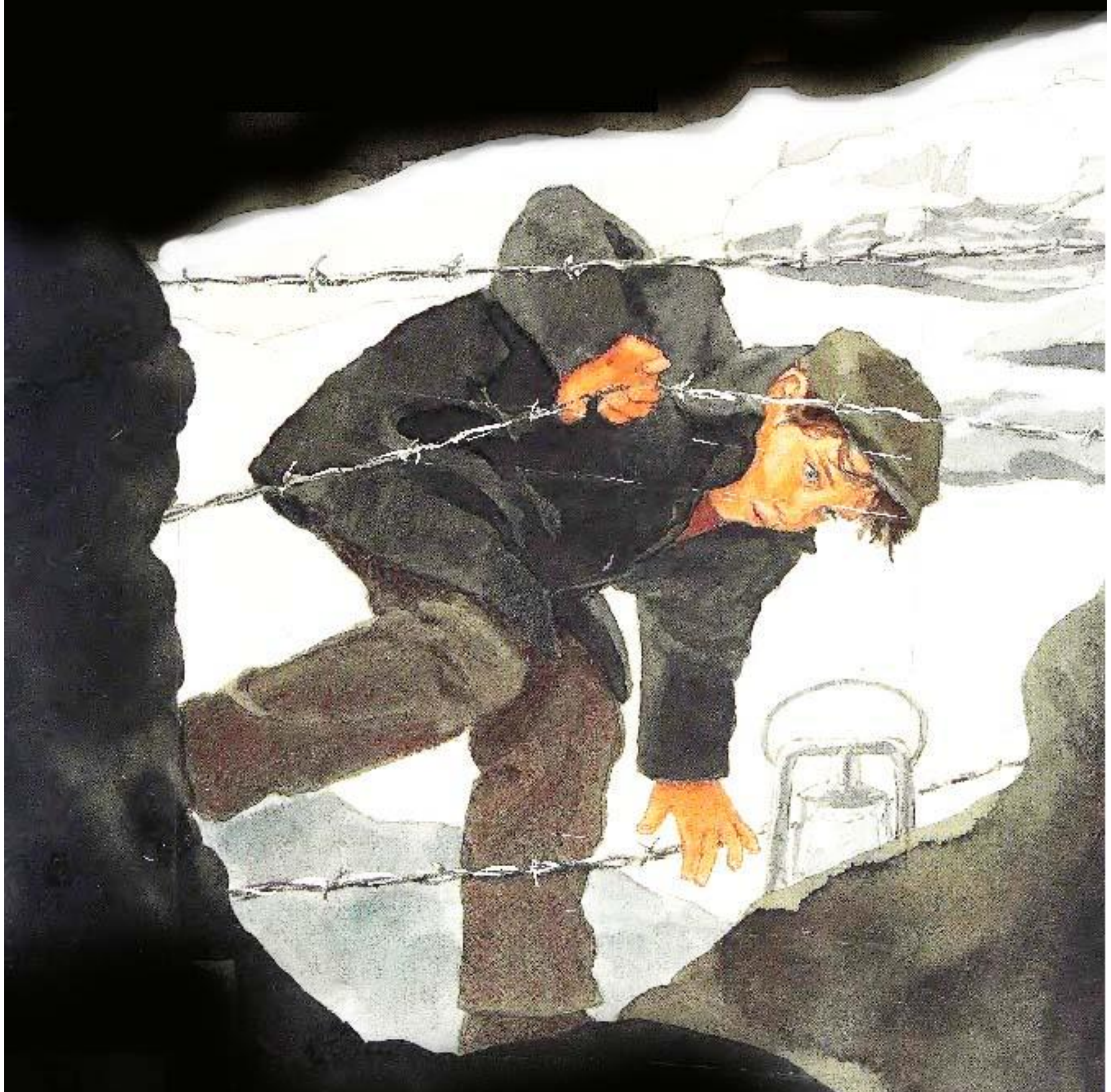
गुफा में हादसा



कैंडिस एफ. रैनसम

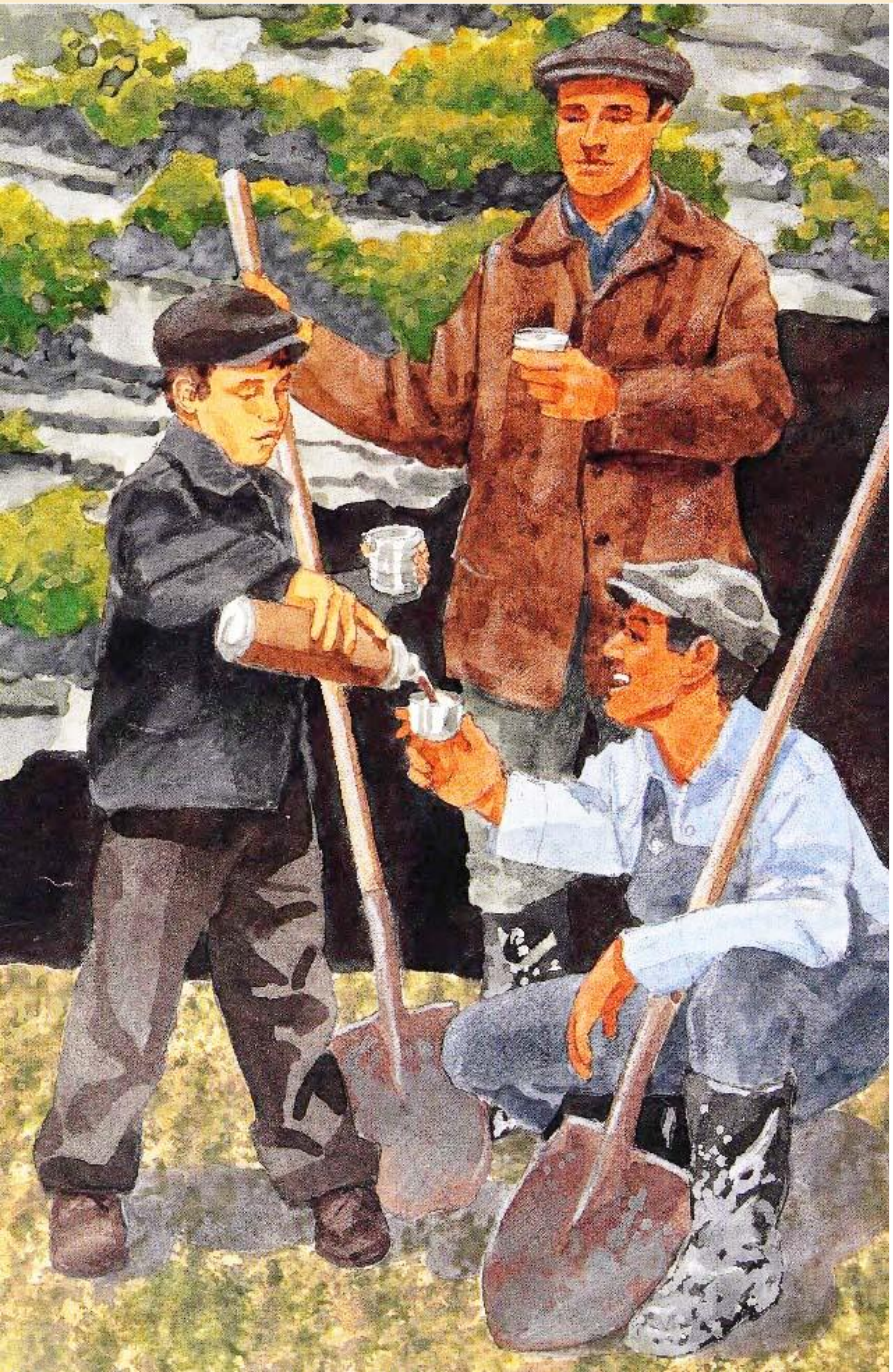
चित्र: डेन शॉफिल्ड

गुफा में हादसा



कैंडिस एफ. रैनसम

चित्र: डेन शॉफिल्ड



गुफा में हादसा

लेखक का नोट

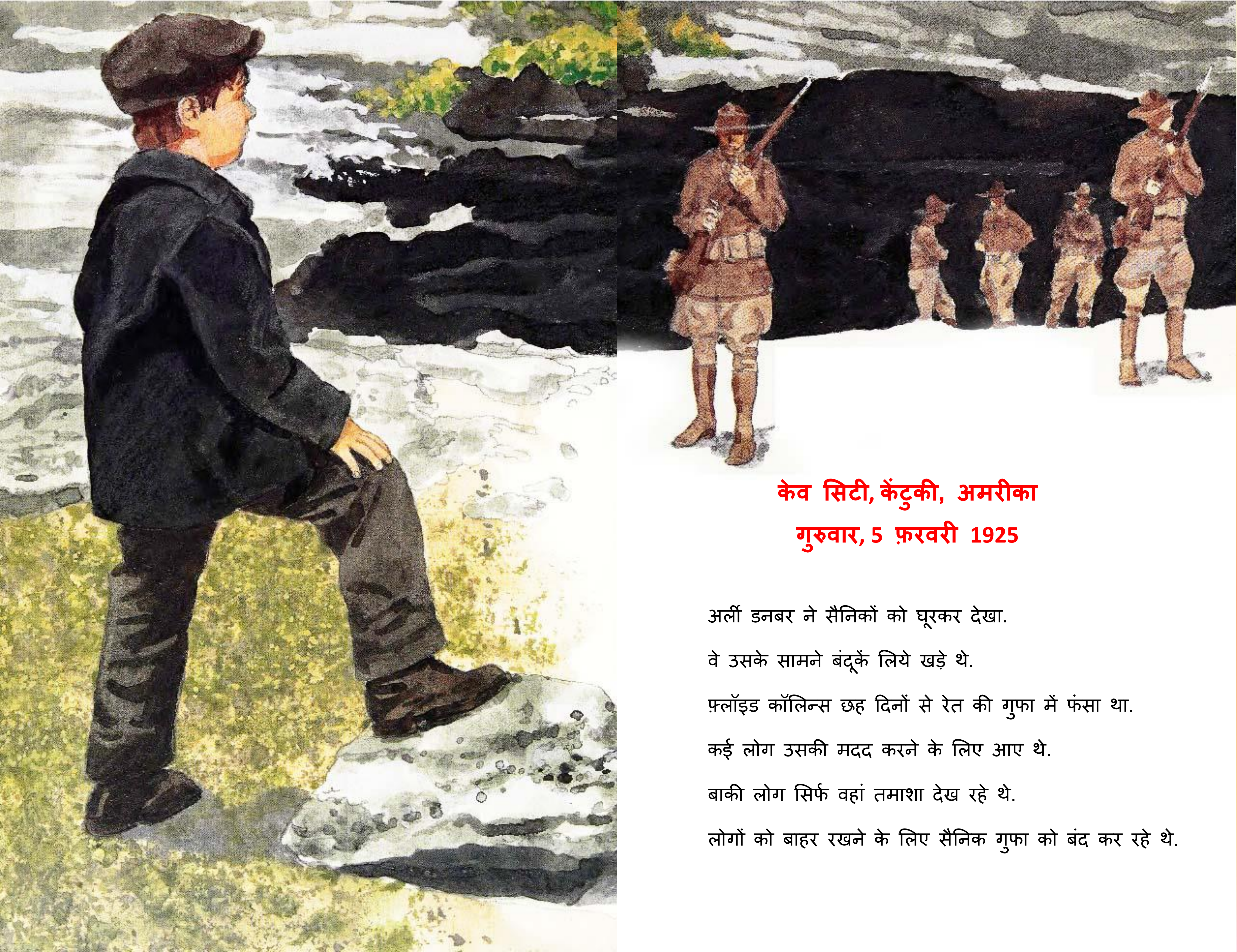
30 जनवरी, 1925 को एक आदमी रेंगते हुए "सैंड केव" नाम की एक गुफा में घुसा. उस आदमी का नाम फ़्लॉइड कॉलिन्स था. सैंतीस साल के फ़्लॉइड को गुफाओं में खोज करने का शौक था. केव सिटी, मध्य केंटुकी में उसका घर, भूमिगत गुफाओं से भरा हुआ था.

शुक्रवार की उस ठंडी रात में, फ्लॉयड रेत की गुफा की संकरी सुरंग में फिसल गया. उसके पास केवल मिट्टी के तेल की लालटेन और एक लंबी रस्सी थी. वो प्रवेश द्वार से पचपन फीट दूरी तक अकड़ता और सिकुड़ता हुआ चला. अचानक उसकी लालटेन उलटकर बुझ गई. फ्लोयड ने एक चूना पत्थर की चट्टान को अपने पैर से मारा. चट्टान का एक टुकड़ा उसके बाएं पैर पर आकर गिरा, फिर उसके बाद पत्थरों और मिट्टी की बौछार उसके पैरों पर गिरी, जिससे वो ढक गया.

फ़्लॉइड फंस गया था.

अगले दिन, फ़्लॉइड के पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने उसे ढूंढ लिया. परन्तु कोई भी उसे मुक्त नहीं करा सका. सुरंग इतनी छोटी थी कि कोई भी उसे खोद नहीं सकता था.

रेत की गुफा में जो कुछ हुआ यह उसकी कहानी है. दस वर्षीय अर्ली डनबर एक काल्पनिक लड़का है. लेकिन फ़्लॉइड कॉलिन्स की कहानी सच है.



केव सिटी, केंटुकी, अमरीका
गुरुवार, 5 फ़रवरी 1925

अर्ली डनबर ने सैनिकों को घूरकर देखा.

वे उसके सामने बंदूकें लिये खड़े थे.

फ़्लॉइड कॉलिन्स छह दिनों से रेत की गुफा में फंसा था.

कई लोग उसकी मदद करने के लिए आए थे.

बाकी लोग सिर्फ वहां तमाशा देख रहे थे.

लोगों को बाहर रखने के लिए सैनिक गुफा को बंद कर रहे थे.

अर्ली और उसका चचेरा भाई रसेल मदद के लिए
“सैंड-केव” में थे, क्योंकि फ़्लॉइड उनका दोस्त था.

एक बार, अर्ली और रसेल, क्रिस्टल गुफा में फ़्लॉइड
से मिलने गए थे.

फ़्लॉइड, क्रिस्टल, गुफा का मालिक था.



फ़्लॉइड ने उन्हें फूलों के आकार के रॉक क्रिस्टल दिखाए.

उसने अर्ली को एक फूल भी भेंट किया.

उस दिन, फ़्लॉइड और रसेल की तरह,
अर्ली भी एक गुफा खोजी बन गया.





"अर्ली," एक आवाज़ ने कहा. वो रसेल था.

"खोदने वालों के लिए अगर तुम कॉफ़ी लाओ तो बहुत अच्छा होगा?"

खुदाई करने वाले कुछ लोग फ़्लॉइड को बचाने की कोशिश कर रहे थे.

रसेल भी उनमें से एक था.

वे फ़्लॉइड को बाहर निकालने के लिए एक शाफ्ट यानि सुरंग खोद रहे थे.



अर्ली खुदाई करने वालों के साथ रह रहा था. वो उनके छोटे-मोटे काम-काज करता था.

"ठीक है," अर्ली ने रसेल से कहा.

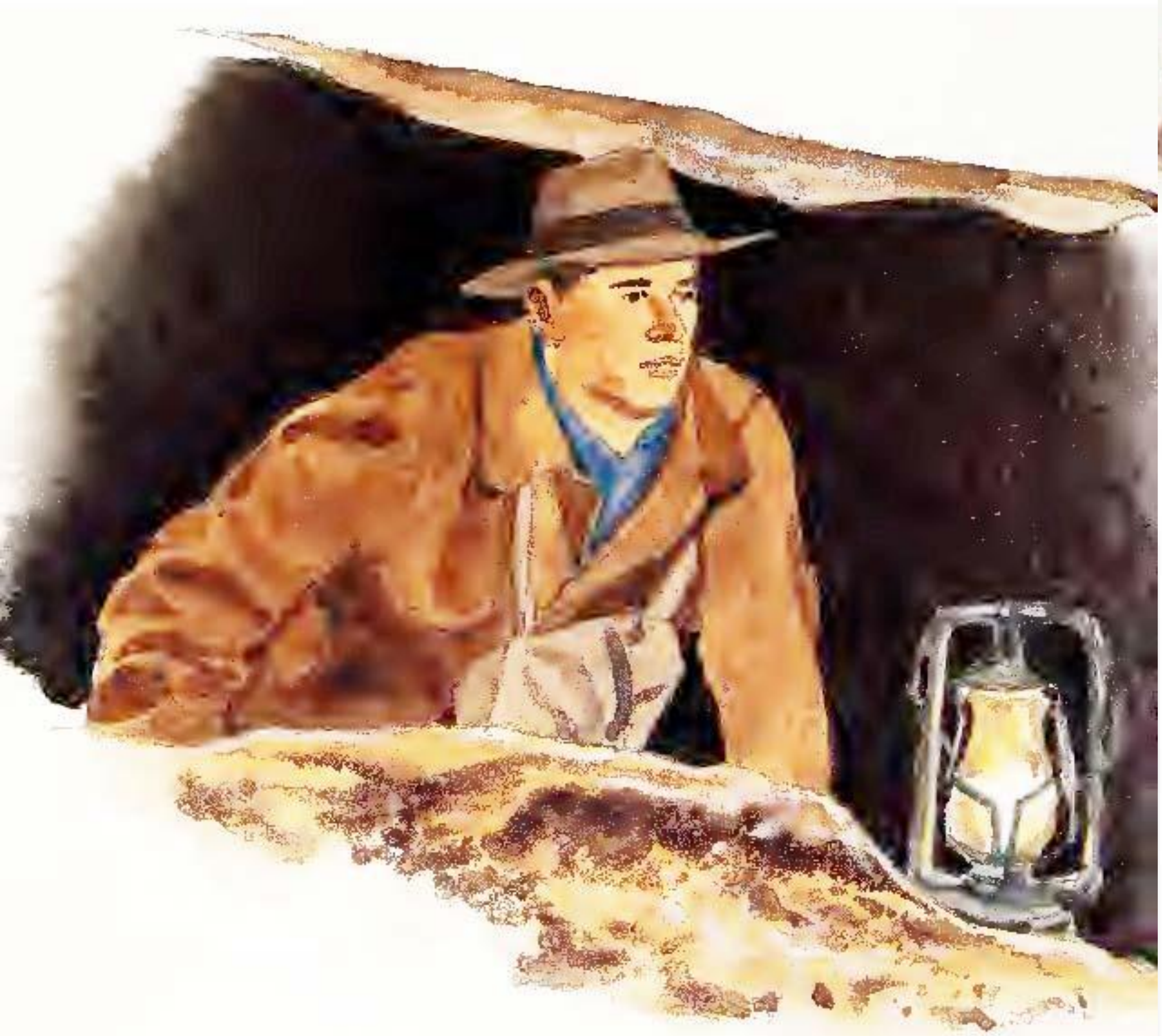
फिर वो जल्दी से कॉफ़ी लाने के लिए दौड़ा.

भागते समय अर्ली ने रसेल के बारे में सोचा.

रसेल वो सबसे बहादुर व्यक्ति था जिसे अर्ली जानता था.

कुछ दिन पहले, रसेल एक रेत की गुफा के अंदर रेंगकर गया था.

वो फ़्लॉइड के लिए भोजन और पानी लेकर गुफा में गया था.





अन्य लोग भी फ़्लॉइड से मिलने आए थे.

लेकिन सुरंग से नीचे रेंगते समय उनके सर छत से रगड़ खाए.

उससे छत कमजोर हो गई.

अंत में छत का एक हिस्सा धंस गया.

उससे फ्लॉयड दुनिया से कट गया.

सुरंग को अवरुद्ध करने वाली चट्टानों को कोई भी नहीं हटा सकता था.

"वो सेब के एक बैरल में खुदाई करने जैसा है," रसेल ने अर्ली से कहा.

अर्ली समझ गया.

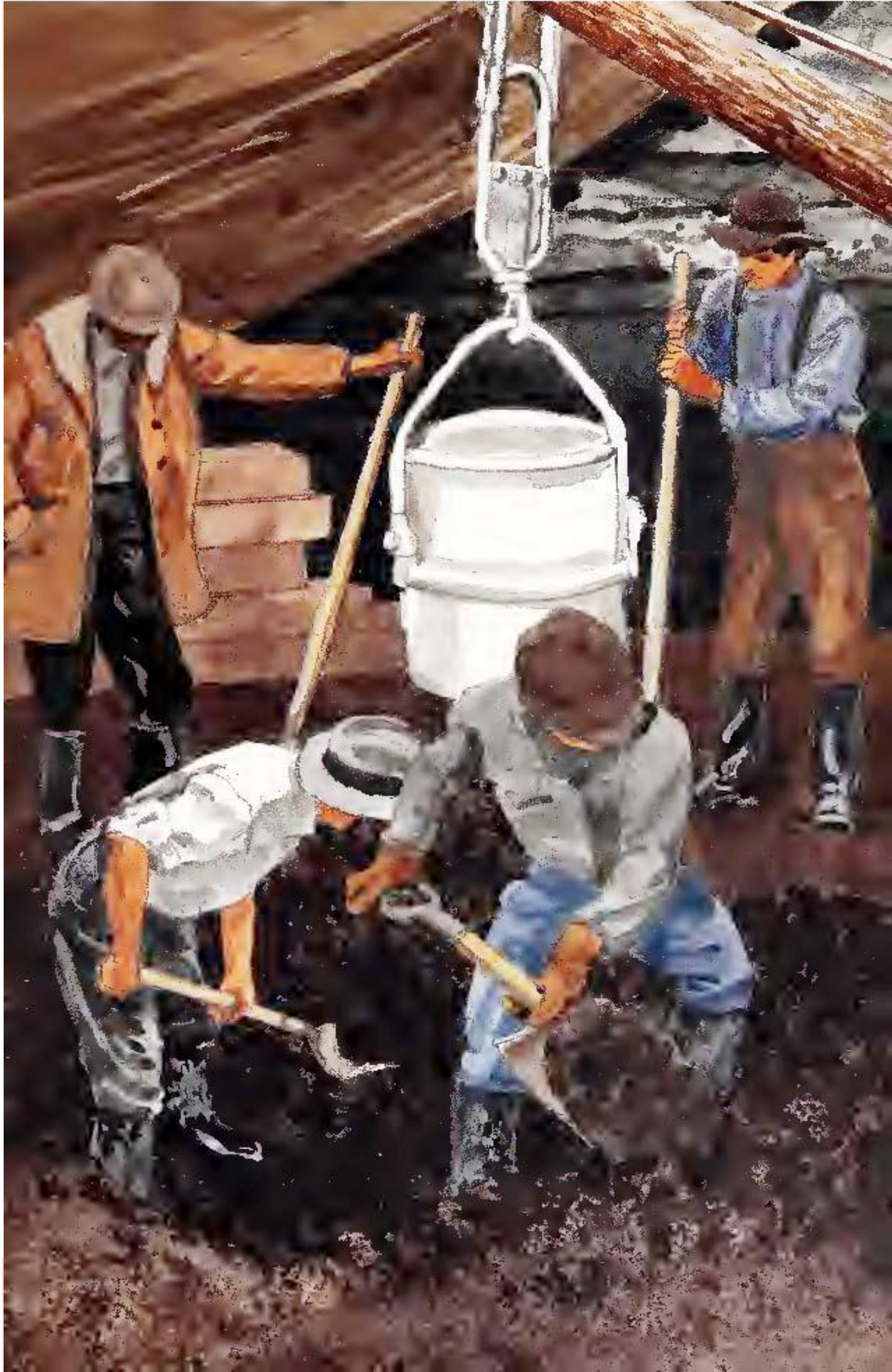
ढीली चट्टानें जल्दी खिसक जाती थीं.

यदि आप एक को हिलाते हैं, तो उसके स्थान पर पचास पत्थर गिर जाते हैं.

इसीलिए लोगों ने एक शाफ्ट यानि सुरंग खोदने का फैसला किया.

वो शाफ्ट, फ़्लॉइड की सुरंग के बगल में ही था.

शायद वे इस तरह फ़्लॉइड तक पहुंच सकते थे.





अर्ली, बचाव दल के तंबू में कॉफी लेकर आया.

एक दल की अभी-अभी अपनी शिफ्ट ख़त्म हुई थी.

उनके चेहरे कीचड़ से सने हुए थे.

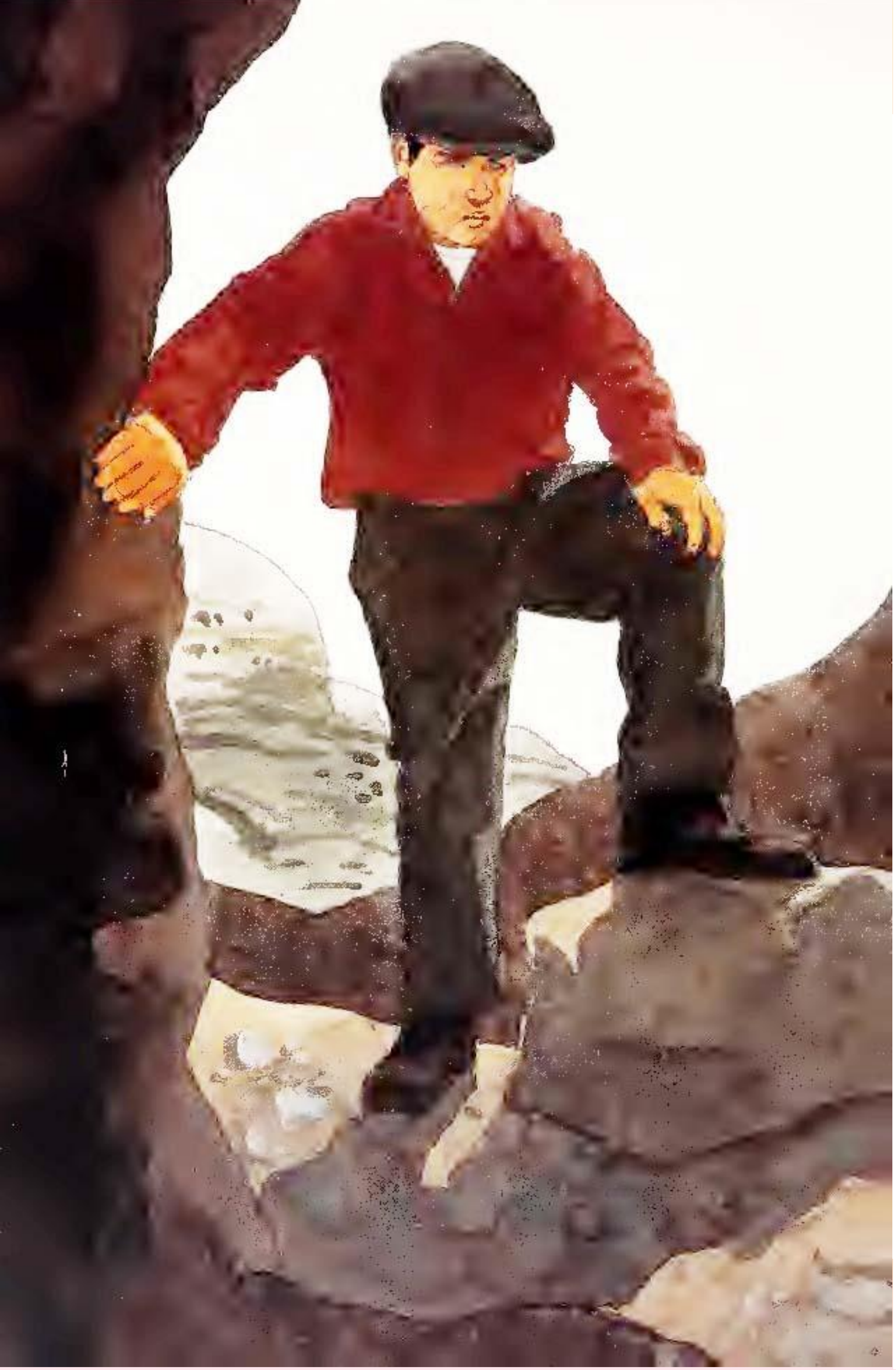
खुदाई करने वाले लोग अपने गंदे कपड़े बदले बिना ही खाट पर लेट गए थे.

अर्ली ने एक खुदाई करने वाले के जूते उतारे.

"धन्यवाद," उस आदमी ने कहा.

फिर वो सो गया.





अर्ली चुपचाप तंबू से निकल गया.

फरवरी की शुरुआत में गर्मी थी.

जमी हुई बर्फ अब पिघल रही थी.

शाफ्ट में पानी भर सकता था.

अब लोगों को और अधिक मेहनत से खुदाई करनी होगी.

अर्ली फिर से गुफा के प्रवेश द्वार पर रुका.

फ़्लॉइड करीब एक हफ्ते से फंसा हुआ था.

उसे कब मुक्ति मिलेगी?

अर्ली चाहता था कि वो कॉफ़ी लाने से कुछ और अधिक करे.

काश वो अपने मित्र को मुक्त करा पाए.

रविवार की सुबह अर्ली ने तंबू का फ्लैप उठाया.

उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ.

वहां पर हजारों लोग मौजूद थे!

प्रत्येक दिन और अधिक लोग आ रहे थे,
ऐसा पहले नहीं हुआ था.

कारों ने कीचड़ भरी सड़क को जाम कर दिया था.

कुछ विक्रेता अपनी गाड़ियों में हॉट-डॉग और सोडा-पॉप बेच रहे थे.

बच्चों के हाथों में गुब्बारे थे. गुब्बारों पर छपा था "सैंड-केव".



पत्रकारों ने पेड़ों पर कीलों से ठोके गए टेलीफोनों से अपने अखबार सम्पादकों से बातचीत की.

वहां का माहौल एक मेले जैसा था!

"पागल शहर के लोग!" रसेल ने कहा.

"वे फ़्लॉइड के करीब नहीं पहुंच सकते," अर्ली ने सिर हिलाते हुए कहा.

"फ़्लॉइड चाहता था कि लोग उसकी गुफाओं में आएं. लेकिन उसे यह सब बिल्कुल अच्छा नहीं लगता!" अर्ली ने कहा.







उस रात, बारिश हुई.

शाफ्ट में पानी भर गया.

फिर बर्फबारी शुरू हो गई.

अर्ली ठिठुर रहे बचाव कर्मियों के लिए कंबल लेकर आया.

वो गर्म पेय लेकर आगे-पीछे दौड़ा.

उसने खुदाई करने वालों की उनके मैले चोगे उतारने में मदद की.

घंटे और दिन बीतते गए.

अब फ़्लॉइड तेरह दिनों से फंसा था.

उसने एक सप्ताह से खाना नहीं खाया था.

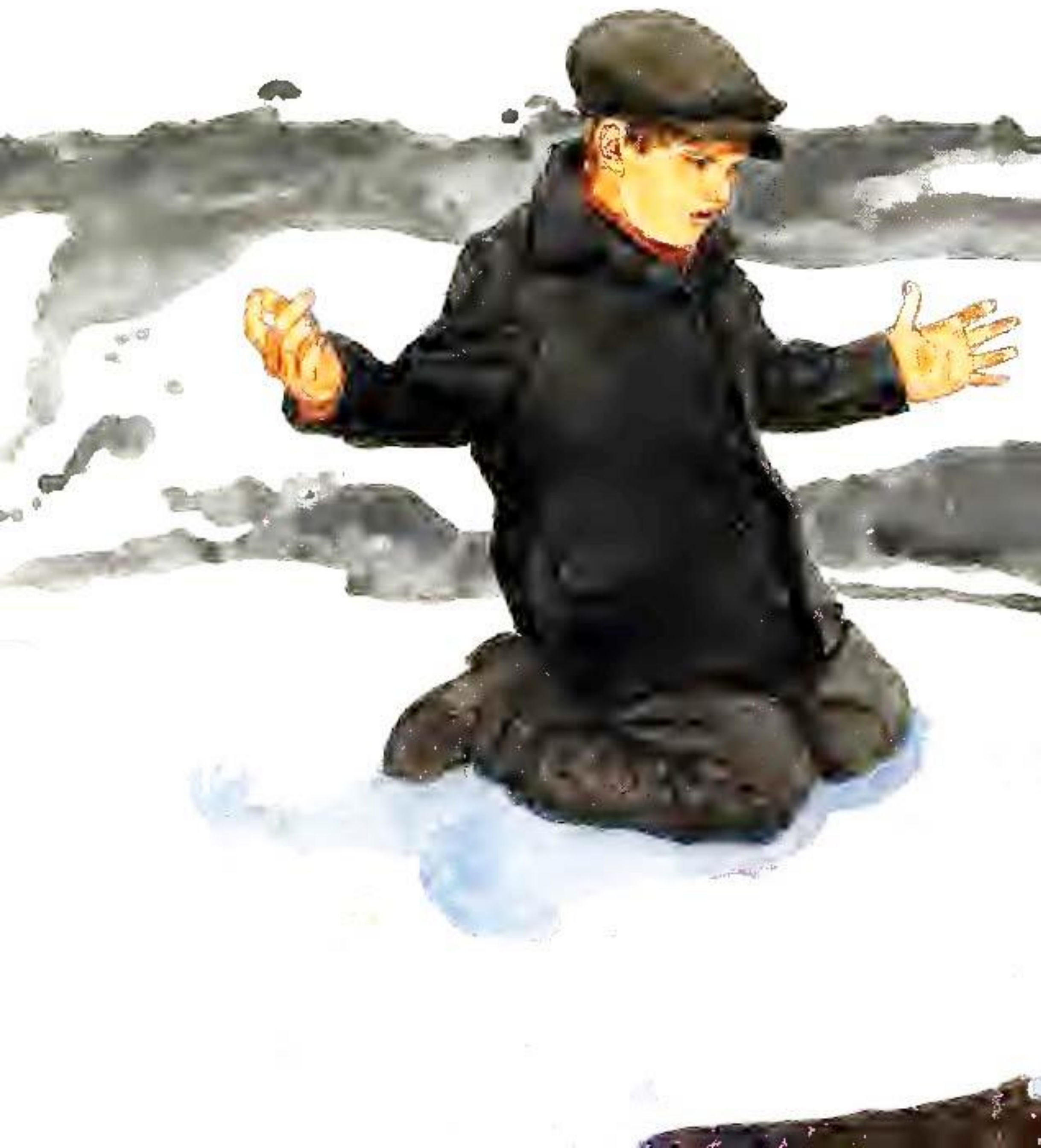
अर्ली ने तम्बू में रात का खाना खाते समय खुद को दोषी महसूस किया.

अगला दिन 13 फरवरी, शुक्रवार था.

अर्ली खुदाई करने वालों के लिए उनकी चिट्ठियां लेकर आया.

"कल वैलेंटाइन-डे है," रसेल ने कहा.

"अर्ली, क्या तुम हमारे लिए कुछ लाल कागज़ ला सकते हो?"



"क्या मैं खुदाई में मदद नहीं कर सकता?" अर्ली ने पूछा.

रसेल ने कहा, "हम नहीं चाहते कि तुम्हें चोट लगे."

अर्ली चला गया.

क्या वो कभी फ़्लॉइड की मदद कर पाएगा?



अर्ली शहर गया.

उसने दुकान से लाल कागज खरीदा.

जब वो वापस लौटा तो हर कोई उत्साहित था.

"खुदाई करने वालों में से एक ने फ़्लॉइड को खांसते हुए सुना!" रसेल ने उससे कहा.

बचाव दल अभी भी फ़्लॉइड की सुरंग में नहीं घुस पाए.

इसलिए अब उन्हें काफी करीब होना चाहिए, अर्ली ने सोचा.

और अगर फ़्लॉइड खांस रहा था तो वो अभी भी जीवित होगा!

रिपोर्टर इस समाचार को फ्लैश करने के लिए अपने फोन की ओर दौड़ पड़े.

लेकिन कुछ देर बाद शाफ्ट की दीवारें गिर गईं.

खुदाई करने वालों को फिर से अपना काम शुरू करना होगा.



शनिवार की शुरुआत बारिश और कोहरे के साथ हुई.

बचाव करने वाले लोग उदास थे.

लेकिन उस दिन वैलेंटाइन-डे था.

लोगों ने एक-दूसरे को लाल कागज के बने दिल भेंट किये.

फिर वे काम पर चले गये.

फ़्लॉइड तक पहुंचने तक वो हार नहीं मानेंगे.





तंबू में अकेले बैठे हुए अर्ली को एक विचार आया.

कई दिनों तक फ़्लॉयड से किसी ने बात नहीं की थी.

अर्ली ने एक लाल कागज़ का हृदय काटा और लिखा,

"फ़्लॉइड को, आपके मित्र अर्ली की ओर से."

उसने अपना क्रिस्टल फूल उस कागज़ के दिल से बांधा.

फ़्लॉइड चट्टान की दीवार के पीछे कैद था.

लेकिन शायद अर्ली वहां पहुँचने में सफल हो सके.

वो छोटा था. वो अपने दोस्त की मदद कर सकता था.



अर्ली ने लालटेन उठाई और गुफा की ओर चल दिया.

सिपाही आपस में बातें कर रहे थे.

वे थके हुए लग रहे थे.

उन्होंने अर्ली को कंटीले तारों के बीच से निकलते हुए नहीं देखा.

अर्ली तेजी से रेत की गुफा में घुस गया.

शुरू में अर्ली चल सका.

जल्द ही उसे झुकना पड़ा, फिर रेंगना पड़ा.

रोशनी धीमी हो गई.

अर्ली ने अपनी लालटेन चालू की.

सबसे पहले, वो सुरंग से नीचे फिसल गया.

नुकीले पत्थरों से उसकी कोहनियाँ छिल गईं.

उसे अपनी बांहों के नीचे बर्फीला पानी महसूस हुआ.

वो बर्फ़ीली कीचड़ में फिसल गया.





रास्ता सकरा होता गया.

एक स्थान पर तो यह केवल दस इंच चौड़ा था.

अर्ली ने अपनी लालटेन को छेद के पार धकेला.

फिर उसने अपना सिर अंदर घुसाया.

उसके कानों की चमड़ी छिल गई.

अर्ली ने अपने कंधों को चट्टान से सटाया और फिर अपने पैरों को अंदर खींच लिया.

गुफा एक कमरे में खुलती थी.

अर्ली बैठ सकता था.

सुरंग नीचे की ओर जाती रही.

उसके पैर नीचे ढलान में लटक थे.

वो वहां पर सांस लेने के लिए रुका.

लालटेन की रोशनी में, गुफा के झींगुर एक चट्टान से दूसरी चट्टान पर उछल रहे थे.

अर्ली ने अपने दिल की धड़कन सुनी.

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि बचाव दल अभी भी फ़्लॉइड के पास नहीं पहुँच पाया था.



थूक निगलने के बाद अर्ली ने ढलान के रास्ते फिसलना शुरू किया.

जल्द ही वो ढीले चूना पत्थर के ढेर पर पहुँच गया.

फ़्लॉइड उस गिरी हुई चट्टान के ठीक पीछे लेटा हुआ था.

"फ़्लॉइड?" अर्ली फुसफुसाया.

उसकी आवाज़ तेज़ लग रही थी.

"फ़्लॉइड!" वो चिल्लाया. "मैं हूं, अर्ली डनबर."

कोई जवाब नहीं.

"मैं तुम्हारे लिए कुछ लाया हूँ," अर्ली ने कहा.

"देखो इस वैलेंटाइन के ह्रदय को. फ़्लॉइड, तुम्हें बाहर निकालने के लिए हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है."



अर्ली ने अपनी जेब से दिल निकाला.

उसका हाथ चट्टान से टकराया.

भयभीत होकर अर्ली ने लालटेन गिरा दी.

अचानक, वो पूर्ण अंधकार में था!

अर्ली घबराहट में हांफने लगा.

किसी को नहीं पता था कि वो वहां था.

रसेल को भी नहीं.

उस रास्ते से कभी और कोई नीचे नहीं आएगा.

क्योंकि वो रास्ता बहुत खतरनाक था.

उसने इतनी बड़ी मूर्खता क्यों की?

अब अर्ली और फ़्लॉइड, दोनों फंस गए थे!

रसेल ने हमेशा कहा था कि गुफा में खोज करते समय किसी मित्र का साथ ज़रूर होना चाहिए.

अगर एक को चोट लग जाए तो दूसरा दोस्त उसकी मदद कर सकता था.





तभी अर्ली को कुछ और याद आया.

जब फ़्लॉइड ने उसे क्रिस्टल गुफा का दौरा करवाया था तो उसने लाइटें बंद कर दी थीं.

वो अर्ली को अंधेरी गुफा से ले गया.

फ़्लॉइड ने अर्ली से कहा था कि वो अपना रास्ता महसूस करे.

अर्ली को अपने आस-पास की जगह महसूस की.

वो बदली नहीं थी.

वो उसे देख नहीं सकता था.

अर्ली ने फिर कुछ गहरी साँसें लीं.

उससे धीरे-धीरे उसका डर कम हुआ.

फिर वो उस छेद से नीचे उतरा.

शायद अब वो बाहर निकल पाएगा.

अर्ली ने सुरंग से वापिस लौटना शुरू किया.

अपने पैर की उंगलियों से पत्थरों को पकड़कर, उसने खुद को आगे बढ़ाया.

शीघ्र ही उसे प्रकाश की एक किरण दिखाई दी.





अर्ली ने राहत की सांस ली.

"फ़्लॉइड!" उसने एक बार फिर पुकारा.

लेकिन इस बार भी उसे कोई उत्तर नहीं मिला.

अर्ली ने कहा, "मुझे सचमुच में खेद है, फ़्लॉइड.

काश मैं तुम्हारी कुछ मदद कर पाता."

फिर अर्ली मुड़ा और रेंगता रहा.





जब अर्ली रेत की गुफा से बाहर निकला,
तो एक सैनिक ने उसे देख लिया.

फिर रसेल दौड़कर आया.

"वो मेरा चचेरा भाई है," रसेल ने सैनिक से कहा.

सैनिक ने उन्हें जाने दिया.

"तुम वहां क्या कर रहे थे?" रसेल ने पूछा.

"अंदर तुम्हारी मौत हो सकती थी!"

"मैं मदद करना चाहता था," अर्ली ने कहा.

"मैंने सोचा कि वहां मैं फ़्लॉइड से बात कर सकूँगा,
और उसकी तबियत की जानकारी ले सकूँगा."

"तुम वैसे भी मदद कर रहे हो," रसेल ने उससे कहा.

"तुम बचाव दल के लिए कॉफ़ी लाते हो.

तुम उनके लिए समाचार पत्र और मेल लाते हो."

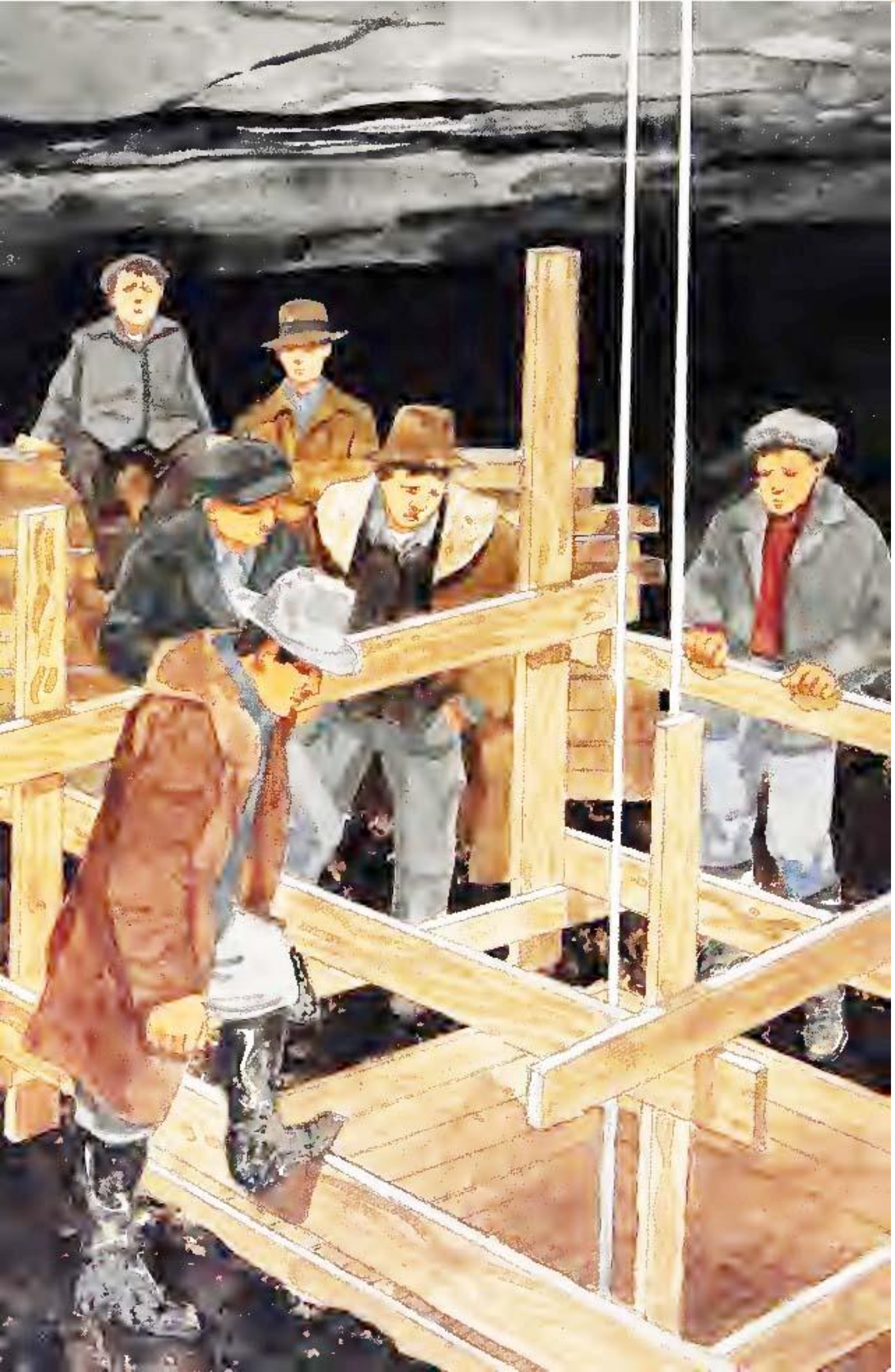
"वो कुछ ख़ास काम नहीं है," अर्ली ने कहा.

"नहीं वो भी ज़रूरी काम है," रसेल ने तर्क दिया.

"यहां पर हर आदमी मायने रखता है."

लेकिन अर्ली को फिर भी बुरा लगा.

वो फ़्लॉइड को बचाने में नाकाम रहा था.



सोमवार को खुदाई करने वाले फ़्लॉइड की सुरंग में घुस पाए.

हर कोई खुशी से चिल्लाया.

लेकिन फ़्लॉइड कॉलिन्स मर चुका था.

अर्ली रो पड़ा.

उसे फ़्लॉइड द्वारा मेहमानों को गर्व से क्रिस्टल गुफा दिखाने की बात याद आई.

"फ़्लॉइड को क्यों मरना पड़ा?" उसने रसेल से पूछा

रसेल ने कहा, "हम समय पर उस तक नहीं पहुंच सके."

"काश मैं मदद कर पाता," अर्ली ने कहा.

"तुमने मदद की," रसेल ने कहा. "हम सभी ने मदद की."



अगले दिन, अर्ली और रसेल फ़्लॉइड की मृत्यु सेवा के लिए गए.

अख़बार वालों ने फ़्लॉइड के परिवार की तस्वीरें खींचीं.

पादरियों ने प्रवचन दिये.

अर्ली को याद आया कि फ़्लॉइड को किसी भी चीज़ से अधिक गुफा खोजना पसंद था.

अर्ली ने सिर हिलाया.

उसने कहा, ''मैंने जो कुछ किया वो लोगों को परेशानी में डालने वाला काम था.''

"लेकिन मैं गुफाओं को खोजने का काम नहीं छोड़ूंगा."

वो जानता था कि फ़्लॉइड चाहेगा कि अर्ली वो काम करता रहे.

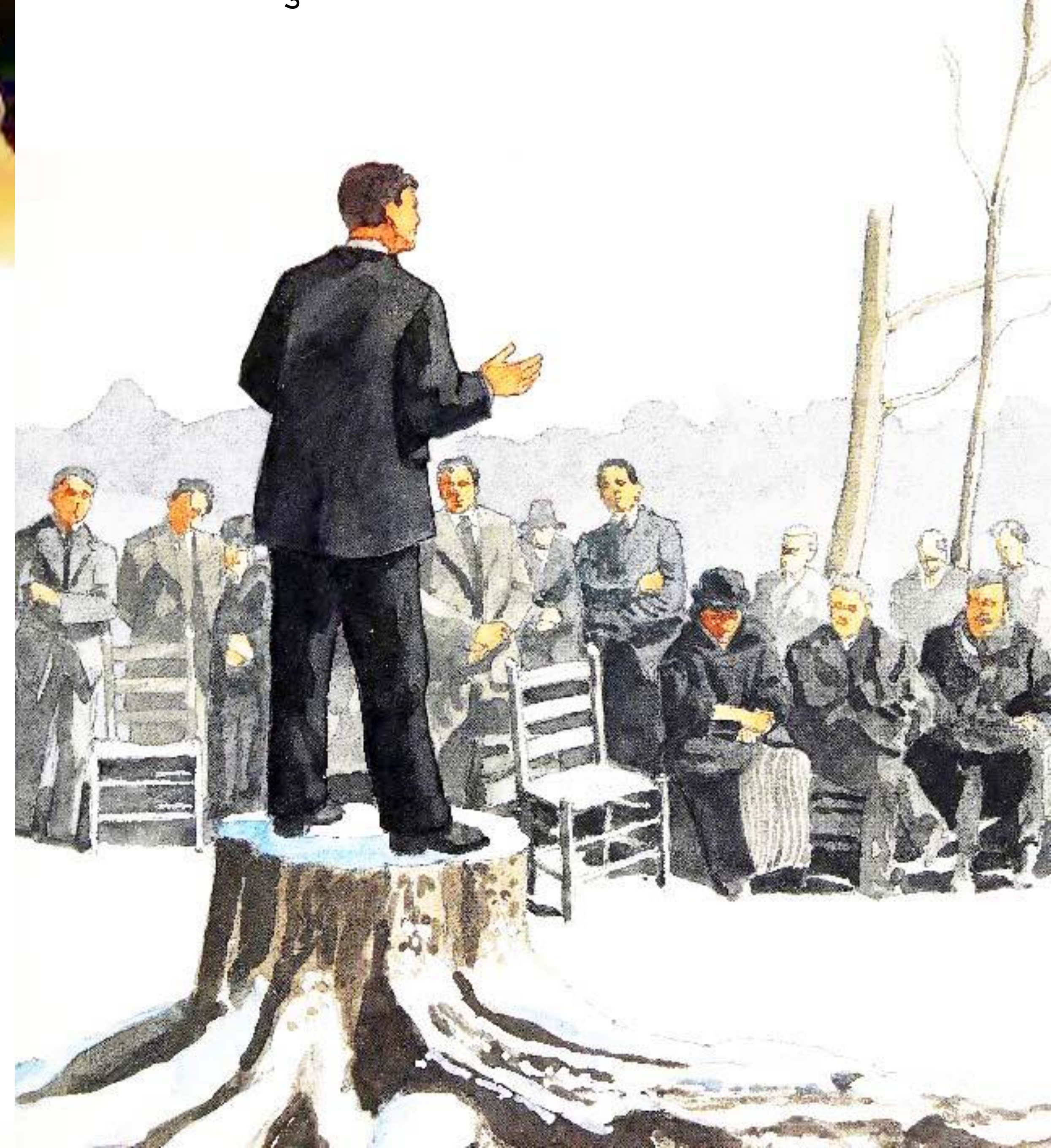
"मैं भी नहीं छोड़ूंगा," रसेल ने कहा.

"लेकिन कभी अकेले गुफा में मत जाना, अर्ली. तुम मेरे साथ चलना."

"ठीक है?" अर्ली चकित था.

"तुम एक अच्छे और चतुर लड़के हो," रसेल ने कहा.

“क्योंकि तुम घबराते नहीं हो.”



अब अर्ली थोड़ा बेहतर महसूस करने लगा.

उसे पता था कि वो और रसेल, फ़्लॉइड कॉलिन्स को कभी नहीं भूलेंगे.

और वे उन कार्यकर्ताओं की बहादुरी को कभी नहीं भूलेंगे जिन्होंने फ़्लॉइड को बचाने की बहुत कोशिश की.



अंत